सांध्य दैनिक 4PM

भगवान मूर्तियों में नहीं है। आपकी अनुभूति आपका ईश्वर है। आत्मा आपका मंदिर है।

-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 99 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 13 मई, 2024

जीत से चेन्नई और आरसीबी की उम्मीदें... 7 | चुनावी प्रचार में अब सेना पर... 3 | भाजपा के सफाये से ही बचेगा देश... 2

वोटरों में दिखा जोरदार उत्साह नेताओं ने कहा- वाह-वाह

भारी मतदान को सबने अपनी-अपनी जीत से जोड़ा

- यूपी के कन्नौज में जमकर हो रही वोटिंग, पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा मतदान
- 10 राज्यों की 96 लोकसभा सीटों पर चल रही वोटिंग
- मतदाता 1717 प्रत्याशियों के भाग्य का करेंगे फैसला
- अखिलेश, ओवैसी, शत्रुघ्न व अधीर रंजन हैं प्रमुख चेहरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चौथे चरण में मतदान में देश भर में कहीं-कहीं तेजी दिखाई दे रही है। यूपी के कन्नौज में जमकर वोटिंग हो रही है जबकि पश्चिम बंगाल में भी लोग भारी संख्या में मतदान स्थलों पर जुट रहें हैं। 19 अप्रैल से लेकर 1 जून तक सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए आज मतदान शुरू हो गया है।

इस चरण में 10 राज्यों की 96 लोकसभा सीटों पर मतदाता 1717 प्रत्यशियों के लिए मतदान कर रहे हैं। पहले-दूसरे और तीसरे चरण के लिए मतदान हो चुका है। इस चरण में कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ ही एक पूर्व सीएम भी चुनावी मैदान में हैं। चौथे चरण के लिए सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा।

भाजपा दक्षिण भारत और अन्य राज्यों में रिकॉर्ड प्रदर्शन करेगी : अमित शाह

अमित शाह ने इस लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की बड़ी जीत की भविष्यवाणी से लेकर पार्टी के दक्षिण भारत और अन्य कई राज्यों में रिकॉर्ड प्रदर्शन का दावा किया है। अमित शाह ने कहा कि मैं आपसे साफ कर देना चाहता हूं कि दक्षिण भारत में केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। अमित शाह ने कहा कि इस बार ओडिशा विधानसभा चुनाव में ही भारतीय जनता पार्टी बड़ी जीत दर्ज करने जा रही है। वहीं, हम आंध्र प्रदेश में अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार बनाने जा रहे हैं। ओडिशा में जैसा समर्थन हमे मिल रहा है उससे ये तो साफ है कि इस बार हम राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रहे हैं. अगर बात ओडिशा में लोकसभा चुनाव की करें तो हम यहां की सभी 17 सीटें जीतने जा रहे हैं।

यूपी के कानपुर में सबसे कम वोटिंग

यूपी में लोकसभा की चौथे चरण की 13 सीटों के लिए मतदान जारी है। इस चरण में 130 प्रत्याशी मैदान में हैं। अखिलेश यादव कन्नौज सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। यूपी में 11 बजे तक 27.12 फीसदी मतदान हुआ है। अकबरपुर पर 25.60 फीसदी,इटावा लोकसभा सीट पर 24.68 प्रतिशत, उन्नाव सीट पर 27.09, कन्नौज पर 29.90 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी हैं। वहीं कानपुर पर 21.36 फीसदी मतदान,खीरी लोकसभा सीट पर 29.20,धौरहरा पर 29.79,फर्रुखाबाद पर 27.88,बहराइच पर 28.63 फीसदी मतदान,मिश्रिख लोकसभा सीट पर 27.03 ,शाहजहांपुर ल पर 28.05 फीसदी मतदान,सीतापुर सीट पर 29.29 प्रतिशत व हरदोई लोकसभा सीट पर 27.12 फीसदी मतदान होचुका है।

उन्नाव में मतदाताओं ने किया मतदान का बहिष्कार

उन्नाव में सोमवार सुबह 7 बजे से मतदान जारी है। पहले दो घंटे यानि सुबह 9 बजे तक 11.85 फीसदी मतदान हुआ। बांगरमऊ में बाढ़ की समस्या को लेकर ग्राम कटरी गदनपुर आहार के बूथ संख्या 304 धन्नापुरवा के मतदाताओं ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। केवल तीन मत डाले गए। तहसीलदार साक्षी राय ने मौके पर पहुंचकर मतदाताओं को समझने का प्रयास किया। मतदाता मत का प्रयोग करने से इनकार कर रहे हैं। वहीं हसनगंज के बारा गांव के ग्रामीणों ने पक्का डामरीकरण मार्ग निर्माण सहित तीन मांगों को लेकर बहिष्कार कर दिया। अधिकारी ग्रामीणों को समझाने में जुटे हैं।

सुबह 11 बजे तक का मतदान प्रतिशत

आंध्र प्रदेश	23.10
बिहार	22.54
जम्मू कश्मीर	14.94
झारखंड	27.40
मध्य प्रदेश	32.38
महाराष्ट्र	17.51
ओडिशा	23.28
तेलंगाना	24.31
उत्तर प्रदेश	27.12
पश्चिम बंगाल	32.78

चुनाव नतीजों के बाद मोदी नहीं होंगे पीएम : थरूर

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के इस दावे के बीच कि अगर एनडीए सत्ता में आता है तो नरेंद्र मोदी अगले साल 75 साल के हो जाने के बाद अमित शाह को कमान सौंप देंगे, कांग्रेस ने कहा कि इंतजार इतना लंबा नहीं होगा क्योंकि 4 जून को नई सरकार और प्रधानमंत्री का गठन हो जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने कहा कि केजरीवाल का इस विरोधाभास को उजागर करना सही था। उन्होंने कहा कि दरअसल, हमने एक के बाद एक दो बयान देखे, एक तो शाह कह रहे हैं कि मोदी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि हर किसी को 75 साल की उम्र में पद छोड़ देना चाहिए, फिर अगले दिन हमने शाह को यह कहते हुए देखा कि मोदी 2029 तक बने रहेंगे। थरूर ने कहा कि मोदी पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह को मौन-मोहन सिंह कहते थे... हर साल डॉ. सिंह तीन से चार प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते थे और हर विदेश यात्रा पर हम विमान में मीडिया से बात करते थे।

ओडिशा में हो रहे विधानसभा चुनाव

ओडिशा में आज हो रहे विधानसभा चुनाव और चौथे चरण के लोकसभा चुनाव पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कहा, मैं लोगों से अपील करूंगा कि परिवर्तन के लिए भारी संख्या में मतदान करें। ओडिशा में परिवर्तन का बहुत बड़ा माहौल बन चुका है। पिछले 24 साल में यहां की राज्य सरकार की नाकामी के चलते लोगों में गुस्सा है। इस बार ओडिशा में सत्ता परिवर्तन होगा। हमें स्पष्ट दिख रहा है कि ओडिशा में भाजपा सरकार आएगी। वहीं तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने मतदान किया। बीआरएस अध्यक्ष राव ने कहा, 65-70 प्रतिशत मतदान तो कम से कम होना ही चाहिए।

इस बार चुनौतियां अलग हैं मुद्दे अलग : ओवैसी

हैदराबाद से एआईएमआईएम उम्मीदवार असदुद्दीन ओवैसी ने कहा हर चुनाव वैसा नहीं हो सकता जैसे पांच साल पहले था। इस बार चुनौतियां अलग हैं, मुद्दे अलग हैं। यह हमारे देश में एक बहुत ही महत्वपूर्ण, ऐतिहासिक संसदीय चुनाव है। लोगों को पता है कि वे देश के लिए क्या चाहते हैं। चुनावों को हमेशा गंभीरता से लेना चाहिए। वह संसद का चुनाव हो या पंचायत का चुनाव हमें हमेशा अपने प्रतिद्वंद्वी को गंभीरता से लेना चाहिए।

भाजपा के सफाये से ही बचेगा देश व संविधान : अखिलेश

» बोले- किसानों को पीएम ने बर्बाद कर दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि यह चुनाव संविधान और देश बचाने को लेकर हो रहा है। यदि जान और संविधान दोनों बचाना है तो भाजपा का सफाया करें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा प्रहार करते हुए उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर किसानों को बर्बाद करने का आरोप लगाया। अखिलेश रविवार को शहर के मौरंग मंडी के मैदान में इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे।

अखिलेश ने भाजपा पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक चुनाव है। यदि जान और और संविधान बचाना है तो भाजपा का सफाया करना होगा। अखिलेश यादव ने चुनाव को समुद्र मंथन की तरह संविधान मंथन बताया और कहा कि आपको और हमको अपना और आने वाली पीढ़ी का भविष्य बचाना है तो हर हाल में भाजपा को उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के डबल इंजन की होर्डिंग देखी होगी। एक इंजन तो उसमें पहले से ही गायब है। उन्होंने बाराबंकी के लोकसभा चुनाव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यहां तो भाजपा को अपना पहले ही अपना इंजन बदलना पड़ा। उनका इशारा भाजपा सांसद उपेंद्र सिंह रावत की बजाय राजरानी रावत को टिकट देने को लेकर था। उन्होंने कहा कि देश का युवा बड़ी मेहनत से कोचिंग करके दूर-दूर परीक्षा देने जाता है और जब परीक्षा देकर वह घर लौटता है तो पता चलता है पेपर लीक हो गया। उन्होंने इसकी गणित समझते हुए कहा कि करीब एक करोड़ 80 लाख लोग इसी वजह से भाजपा के खिलाफ है।

प्रधानमंत्री ने कन्नौज से कर लिया किनारा

पूर्व सीएम अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने बेरोजगारी दी, महंगाई दी और अन्याय दिया। कोई वर्ग नहीं बचा जिसे भाजपा सरकार ने अपमानित न किया हो। उन्होंने कहा इन लोगों ने भेदभाव के साथ जितना अन्याय कर सकते थे अब तक किया। पीएम कन्नौज से किनारा कर सीधे दिल्ली चले गए। बिधूना से रोड शो करते हुए एरवाकटरा पहुंचे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यहां जुटी भीड़ को संबोधित किया। कहा कि कन्नौज, इटावा व मैनपुरी सीट पर हम जीत रहे हैं। रिकार्ड जीत होगी। यही वजह है कि पीएम यहां नहीं आए। कन्नौज से किनारा कर पीएम सीधे दिल्ली चले गए।

हर परिवार से तीन लोग भाजपा से खफा

हर परिवार से तीन लोग भाजपा से खफा हैं। यदि इनको 80 सीटों में बांट दे तो हर सीट पर भाजपा का दो लाख से अधिक वोटो का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहां कि भाजपा सरकार से 17 साल का हिसाब लेना है। 10 साल का केंद्र सरकार के और 7 साल प्रदेश सरकार के। सपा अध्यक्ष ने कहा कि गठबंधन सरकार बनने पर किसानों को आटा और मोबाइल के लिए डाटा फ्री होगा। 4 साल की अग्निवीर वाली नौकरी की व्यवस्था खत्म कर पक्की नौकरी देंगे। किसानों का कर्ज माफ करेंगे। इस मौके पर उन्होंने गठबंधन प्रत्याशी तनुज पुनिया का हाथ उठाते हुए कहा कि इनका चुनाव निशान साइकिल नहीं बल्कि हाथ का पंजा है। इसलिए साइकिल वाले लोग हाथ के पंजे पर ही बटन दबाएं। करीब आधा घंटे के संबोधन में अखिलेश यादव भाजपा पर हमलावर रहे। इस मौके पर कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय, कांग्रेस के पूर्व सांसद पीएल पुनिया, पूर्व सांसद रामसागर रावत, पूर्व मंत्री अरविंद सिंह को विधायक फरीद महफूज किदवई, गौरव रावत, सुरेश यादव समय तमाम लोग मौजूद रहे।

63 प्रतिशत वोट सपा-कांग्रेस के साथ : अविनाश पांडेय

» तीन चरणों के रुझान इंडिया गठबंधन के पक्ष में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय ने बीजेपी पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन 80 सीट में मजबूती से चुनाव लड़ रहा है। गठबंधन में सपा, आप, किसान यूनियन, लोकदल समेत 33 दल शामिल हैं। इनके बेहतर समन्वय से हम 80 सीट पर कड़ी चुनौती दे रहे हैं।

कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि जनता केंद्र की सरकार को बदलने का निर्णय ले चुकी है। तीन चरण के चुनाव का रुझान इंडिया के साथ है। अगले 4 चरण में यह और भी बेहतर होगा। लगभग 63 प्रतिशत वोट इंडिया गठबंधन के साथ साफ-साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि देश की सरकार तानाशाह है। वह अपने मन की बात करती है, जनता के मन की बात नहीं सुनती है।

अविनाश पांडेय ने कहा कि भाजपा के लोगों ने बस सपना दिखाया, हकीकत में कुछ नहीं किया गया है। गरीबी, आतंकवाद खत्म नहीं हुआ। लोगों के खाते में पैसे आए नहीं, रोजगार मिला नहीं। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल हुई है। चंद लोगों को देश की संपदा बांटी जा रही है। संविधान बदलने की जो तैयारी है, वह खतरनाक है। आज लोकतंत्र खतरे में है। भाईचारा कमजोर हुआ है, इसे बेहतर करने के लिए लोग इंडिया गठबंधन की सरकार बनायेंगे।

कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में लोकसभा चुनाव को लेकर लखनऊ व मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र और लखनऊ पूर्वी विधानसभा के उप चुनाव के दृष्टिगत समन्वयक बैठक हुई। इसमें बतौर मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि इंडिया गठबंधन की एकजुटता से भाजपा की सरकार और उनके नेता परेशान हैं। उनको लगने लगा है कि जिस तरह से जनता का भरपूर समर्थन इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को मिल रहा है, उससे उनकी झूठ की दुकान पूरी तरह बंद होने वाली है।

रायबरेली में अखिलेश-राहुल संभालेंगे चुनावी रण

लखनऊ। अमेठी और रायबरेली के रण को रोमांचक बनाने के लिए राजनीतिक दल कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की 17 मई को यहां संयुक्त जनसभा होंगी। इससे पहले भी उनका रायबरेली में आने का कार्यक्रम तय हो रहा है। रायबरेली से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व अमेठी से गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा के नामांकन के साथ ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने यहां डेरा डाल दिया है। चुनाव प्रचार की कमान खुद पार्टी राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने संभाल रखी है। वह छह मई से यहीं हैं। शनिवार को एक दिन के लिए वे तेलंगाना गई हैं। इसके बाद 12 मई से लेकर 20 मई तक वह रायबरेली-अमेठी में ही डेरा डालेंगी।

महिला कोटा का भविष्य में प्रियंका को मिल सकता है लाभ : अनुराग ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने पर प्रियंका गांधी वाड्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद में महिलाओं के लिए लाए गए 33 प्रतिशत आरक्षण से उन्हें संभवत: लाभ मिल सकता है। अपनी चुनावी शुरुआत करने के लिए अनुराग ठाकुर ने अपने लिए कांग्रेस का टिकट सुरक्षित करने में विफल रहने के लिए प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा पर भी तंज कसा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गांधी परिवार के सदस्यों का सक्रिय राजनीति में स्वागत है और कांग्रेस को वास्तव में कड़ी मेहनत करनी चाहिए, क्योंकि देश संसदीय लोकतंत्र में एक मजबूत विपक्ष चाहता है। अपनी पुरानी अमेठी सीट छोड़ने के लिए राहुल गांधी पर हमला करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि पूर्व कांग्रेस प्रमुख पड़ोसी राज्य रायबरेली में भाग गए थे, जिसका प्रतिनिधित्व उनकी मां सोनिया गांधी निवर्तमान लोकसभा में करती थीं। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा प्रियंका गांधी को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी मानती है, क्योंकि उसने राहुल गांधी को गैर गंभीर करार दिया है, मंत्री ने कहा कि यह लोगों को तय करना है। हम एक बेहतर और मजबूत विपक्ष चाहते हैं, क्योंकि इससे सरकार को नियंत्रण में रखने में मदद मिलती है और नियंत्रण और संतुलन सुनिश्चित होता है।

भाजपा को सत्ता में आने से रोकना होगा : मायावती

» गलत नीतियों के कारण कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करनाल (हरियाणा)। हरियाणा राज्य के सभी बसपा उम्मीदवारों के समर्थन में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती ने करनाल की धरती से दलितों, आदिवासियों के साथ पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को भी साधा।

उन्होंने कांग्रेस और भाजपा को सीधे निशाने पर रखते हुए कहाकि आजादी के बाद कांग्रेस सर्वाधिक सत्ता में रही लेकिन उसकी दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग विरोधी नीतियों के कारण सत्ता से बाहर होना पड़ा। अब भाजपा भी उन्हीं नीतियों पर चल रही है, इसलिए उसे भी दोबारा सत्ता प्राप्त करने से रोकना होगा। करनाल के सेक्टर चार स्थित दशहरा ग्राउंड में आयोजित चुनावी जनसभा में

बसपा सुप्रीमों मायावती ने लोक सभा करनाल के बसपा प्रत्याशी इंद्रजीत सहित सभी सीटों के बसपा प्रत्याशियों को मंच पर खड़ा करके उन्हें विजयी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बसपा ने यूपी में अपने चार बार के कार्यकाल में सभी वर्गों के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। जिन्हें अब दूसरी सरकारें भी अपनाने का विवश हैं। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव फ्री एंड फेयर हुआ और ईवीएम में गड़बड़ी नहीं हुई तो अपनी गलत नीतियों के कारण भाजपा भी केंद्र की सत्ता में आसानी से आने वाली नहीं है।

बीएसपी जनता के धन से चलने वाला संगठन

मायावती ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही सुप्रीमकोर्ट ने बांड के माध्यम से भाजपा व कांग्रेस और उनकी सहयोगी पार्टियों ने द्वारा धन्नासेठों, पूंजीपतियों से, उनकी कंपनियों से करोड़ो रुपये लेने का संज्ञान लिया। सिर्फ बसपा ही एक ऐसी पार्टी रही, जिसने एक रुपया भी धन किसी से नहीं लिया। बसपा किसी भी धन्नासेठ, पूंजीपति से धन नहीं लेती, बसपा अपने कार्यकर्ताओं व मेरे जन्म दिन पर थोड़ा धन एकत्र करके संगठन चलाती है।

बीजेपी ने देश की एजेंसियों का राजनीतिकरण किया

कांग्रेस की तरह ही भाजपा ने भी देश की एजेंसियों का राजनीतिकरण कर दिया है। बसपा ने दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक सहित सर्व समाज, किसानों, मजदूरों आदि का ध्यान रखा है। भाजपा की जातिवादी, पूंजीवादी सोच के चलते कभी दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, सर्व समाज का हित नहीं किया। आरक्षण भी किसी को पूरा नहीं मिल रहा है। प्राइवेट सेक्टर में तो आरक्षण खत्म सा हो गया है।

बामुलाहिज़ा
कार्टून : हसन जैदी

रेवन्ना मामले की जांच सीबीआई से नहीं : सीएम सिद्धारमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों से संबंधित मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें प्रकरण की जांच कर रहे राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) पर भरोसा है।

उन्होंने ऐसी मांग करने के लिए भाजपा पर सवाल उठाते हुए पूछा कि उसे पुलिस पर भरोसा क्यों नहीं है। उन्होंने भाजपा पर निष्पक्ष जांच कर रही एसआईटी के बारे में लोगों के मन में भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से भ्रामक बयान देने का आरोप लगाया। सिद्धारमैया ने सीबीआई जांच की भाजपा की मांग को लेकर एक सवाल के जवाब में कहा, हम अपनी पुलिस (एसआईटी) से जांच करा रहे हैं, हमें अपनी पुलिस पर भरोसा है।

चुनावी प्रचार में अब सेना पर सियासी प्रहार

सैनिकों की बहादुरी पर रेवंत के सवाल से बवाल

» राजग व इंडिया गठबंधन के बीच खींची तलवारें

» पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव चल रहे हैं। मुद्दे नहीं है तो गढ़ जाएंगे। आम जन से जुड़े सरोकारों को दरकिनार कर नेता अपने व अपनी सियासत को चमकाने में लगे हैं। इस तरह की राजनीति करने में सत्ता पक्ष ही नहीं विपक्ष भी पीछे नहीं है। सत्ता में बैठी बीजेपी जहां धर्म के नाम पर पोलराइजेश करके चुनाव को जीतने का मंसूबा बना रही है वहीं विपक्ष महंगाई व रोजगार जैसे मुद्दों को बार-बार उठाकर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है।

उधर धर्म-जाति, हिंदु-मुसलमान, शहंशाह-राजा के बाद सेना व परमाणु बम भी चुनावी प्रचार में गिरने लगे हैं। कांग्रेस के नेता मणिशंकर अय्यर, रेवंत रेड्डी, चन्नी के सेना पर दिए गए बयान पर भी सियासी तापमान चढ़ा हुआ है। इन नेताओं के बयान के बाद भाजपा ने इंडिया गठबंधन को घेरना शुरू कर दिया। बीजेपी के छोटे से लेकर बड़े नेता ने इन मुद्दों को जोर शोर उठाना शुरू कर दिया है। ऐसा लगता 2019 में बालाकोट स्ट्राइक व पुलवामा कांड को जैसे चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश की गई थी इसबार भी कुछ ऐसा ही अंदेशा है कि राजनीतिक दल उसे मुद्दा बनाकर चुनाव में लाभ लेने की मंशा पाल रहे हैं। अब तो चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा कि ऊंट किस करवट बैठता है।

सर्जिकल स्ट्राइक हुआ भी या नहीं हुआ, हमें नहीं पता है : रेवंत रेड्डी

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने मोदी सरकार ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक पर ही सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा सर्जिकल स्ट्राइक हुआ भी या नहीं हुआ, हमें नहीं पता है। किसी को इस बारे में नहीं पता है। रेवंत रेड्डी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए पुलवामा आतंकी हमले पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा चूक (इंटेलिजेंस फेलियर) की वजह से पुलवामा हमले हुए। वहीं, इसके बाद बीजेपी ने सर्जिकल स्ट्राइक का फायदा उठाया था।

आतंकियों को सबक सिखाने के बजाय आतंकी संगठनों के साथ बैठकें करते थे : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के कंधमाल में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पोखरण के परमाणु परीक्षण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 26 साल पहले आज ही के दिन अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और हमने ये दिखा दिया था कि देशभक्ति से ओत-प्रोत सरकार देशहित के लिए, देश की सुरक्षा के लिए, देश के लोगों को आशा-

अपेक्षा के लिए कैसे काम करती है। एक वो दिन था, जब भारत ने दुनिया को अपने सामर्थ्य से परिचित कराया था। दूसरी तरफ कांग्रेस बार-बार अपने ही देश को डराने की कोशिश करती है। पीएम मोदी ने कहा, वो कहते हैं कि संभल कर चलो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। ये मरे पड़े लोग, देश के आदमी को भी मार रहे हैं। वे पाकिस्तान के बम के बारे में बात करते हैं, लेकिन पाकिस्तान की हालत ऐसी है कि उन्हें नहीं पता कि इसे कैसे रखा जाए और वे अपने बम बेचने के लिए खरीदार की तलाश कर रहे हैं, लेकिन कोई भी उन्हें खरीदना नहीं चाहता, क्योंकि लोग उनकी गुणवत्ता के बारे में जानते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इसी कमजोर रवैये के कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों ने 60 साल तक आतंक भुगता है। देश ने कितने आतंकी हमले झेले हैं। देश भूल नहीं सकता कि आतंकियों को सबक सिखाने के बजाय ये लोग आतंकी संगठनों के साथ बैठकें करते थे। 26/11 के मुंबई हमले के बाद इन लोगों की हिम्मत नहीं पड़ी, कि आतंक के सरपरस्तों पर कार्रवाई करें। और क्यों? क्योंकि कांग्रेस और इंडी गठबंधन को लगता था कि अगर हम कार्रवाई करेंगे तो हमारा वोटबैंक नाराज हो जाएगा।

कांग्रेस परमाणु बम के डर से छोड़ना चाहती है पीओके पर अधिकार : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर तीखा हमला करते हुए शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम होने के डर से सबसे पुरानी पार्टी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर भारत का अधिकार छोड़ना चाहती है। शाह ने तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का कहना है कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है और इसलिए भारत को पीओके के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, परमाणु

बम के डर से वे पीओके पर हमारा अधिकार छोड़ना चाहते हैं। लेकिन आप चिंता न करें, मोदी जी फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और पाकिस्तान की गोलियों का जवाब तोप से दिया जाएगा। सर्जिकल स्ट्राइक पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की टिप्पणी पर शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्रवाई की और आतंकवादियों का खात्मा किया। रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा था कि पुलवामा हमला खुफिया विफलता का नतीजा था। उन्होंने कहा था, मोदी जी ने पुलवामा घटना के बाद सर्जिकल स्ट्राइक से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की। मेरा मोदी जी से सवाल है कि आप क्या कर रहे हैं? पुलवामा घटना क्यों हुई? आपने इसे क्यों होने दिया? आप आंतरिक सुरक्षा के बारे में क्या कर रहे हैं? आपने आईबी, रॉ जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल क्यों नहीं किया? यह आपकी विफलता है। कोई नहीं जानता कि वास्तव में सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी या नहीं।

भारत का मुसलमान इधर-उधर नहीं जाएगा : पीएम

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आज कांग्रेस को दो टूक कहूंगा, भारत के मुसलमान... कोई इधर-उधर जाएगा, ऐसा मानने की कोशिश न करें। कांग्रेस के शहजादे आए दिन बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को विपक्ष (संसद में) बनने के लिए लोकसभा की कुल संख्या का 10प्रतिशत चाहिए। कांग्रेस वाले कान खोलकर सुन लें... कांग्रेस इस देश में मान्य विपक्ष भी नहीं बन पाएगा। वे 50 सीटों (कांग्रेस) से नीचे सिमटने वाले हैं।

दिग्विजय सिंह ने भी सर्जिकल स्ट्राइक पर उठाए थे सवाल

बता दें कि रेवंत रेड्डी से पहले मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े किए थे। वहीं, कई विपक्षी नेताओं ने मोदी सरकार से सर्जिकल स्ट्राइक से जुड़े सबूतों को पेश करने के लिए कहा था।

महज संयोग नहीं बल्कि सोचा-समझा प्रयोग है : पूनावाला

कांग्रेस नेता के इस बयान पर भाजपा नेता ने पलटवार किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा,अब यह साफ हो गया है कि ये महज संयोग नहीं बल्कि सोचा-समझा प्रयोग है, जिस तरह से कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान और आतंकवाद के पक्ष में स्टैंड ले रही है और उन्हें क्लीन चिट दे रही है। तेलंगाना के सीएम न सिर्फ पुलवामा आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान को क्लीन चेट दे रहे हैं बल्कि वो सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े कर रहे हैं। सेना के मनोबल पर खड़ा करना। कांग्रेस नेता आतंकवाद के लिए सेना को कठघरे में खड़ी कर रही है। ये कांग्रेस पार्टी की नियत है।

इसबार पुलवामा-बालाकोट मुद्दा नहीं बना पा रही बीजेपी: अधीर रंजन

प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, कि विपक्ष से मिल रही चुनौती से वो घबरा गए हैं। इसी वजह से कोई कुछ नहीं कह सकता है। इस बार पुलवामा या बालाकोट जैसा कोई भी मुद्दा नहीं हैं। उन्हें उम्मीद दी थी कि राम मंदिर एक बड़ा मुद्दा बनेगा, लेकिन उसका असर भी कम हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि मैं कोई कोई चुनाव विश्लेषक नहीं हूं लेकिन मैं देख सकता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी अब उतने सहज नहीं है, जितना पहले हुआ करते थे। ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया था कि

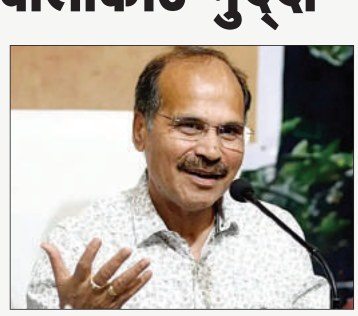

अधीर रंजन चौधरी की वजह से बंगाल में इंडिया गठबधन बन सका था। इस पर अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मैं ममता बनर्जी की हिंसा की राजनीति से लड़ रहा हूं, जिसका उद्देश्य बंगाल में कांग्रेस को खत्म करना है। पिछले कुछ वर्षों से हम अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं. मेरी पार्टी को बंगाल में जीवित रखने के लिए, मुझे उनके खिलाफ मोर्चा लेना पड़ा. मेरा रुख नहीं बदला है। कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी 1999 से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर से जीत हासिल कर रहे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव में उनका सामना तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार युसूफ पठान और भाजपा के डॉ. निर्मल साहा से है। हालांकि अधीर रंजन चौधरी का मानना है कि वो इस बार भी जीत हासिल कर रहे हैं। इसी बीच उन्होंने एक इंटरव्यू में बीजेपी पर निशाना साधा है और कहा कि इस बार बीजेपी को आसानी से जीत नहीं मिलेगा। तीन चरण के मतदान के बाद देश के राजनीतिक परिदृश्य को लेकर उन्होंने कहा, ये तेजी से बदल रहा है। पूरे देश में मोदी का प्रभाव कम हो रहा है. दिन प्रति दिन, चरण-दर-चरण अब प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती मिल रही है. वो भी अब नहीं कह सकते हैं कि सी बार जीत हासिल करना आसान है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बन रहे बच्चे!

"अभिभावकों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय न बिताना उन्हें समाज से अलग-थलग कर, आत्मकेंद्रित तो बनाता ही है, उनकी एकाग्रता को भी तोड़ता है। विशेषकर, रील बनाने का आधुनिक प्रचलन अवयस्कों को ऐसी आत्ममुग्धता की ओर धकेल रहा है, जिसमें बहुत बार मर्यादाएं भी तार-तार होती दिखाई पड़ती हैं।

आजकल दुनिया में एक नई तरह की समस्या दिखाई दे रही है। जिसे आम बोलचाल में सोशल मीडिया सिंड्रोम या आबशेसन कह सकते हैं। अर्थात इसमें क्या बुढ़े, क्या जवान और क्या बच्चे सभी प्रभावित हैं। जबसे पूरी दुनिया में इंटरनेट की वजह से लोबल से लोकल हो गई है। लोग सोशल मीडिया से एक-दूसरे कनेक्ट होने लगे हैं। इसी का परिणाम है सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताना समूची दिनचर्या को प्रभावित करने लगा है। दूसरे शब्दों में, मोबाइल, टेबलेट, कंप्यूटर आदि का अधिक प्रयोग बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहा है। बड़े तो इसके शिकार हैं ही। वहीं बच्चों में आलस्य, अनिद्रा, अवसाद, चिंता, तनाव आदि मानसिक समस्याएं बढ़ाने के साथ ही बेचैनी, झल्लाहट तथा हिंसक प्रवृत्ति उपजाने का भी प्रमुख कारण बनता है। अभिभावकों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय न बिताना उन्हें समाज से अलग-थलग कर, आत्मकेंद्रित तो बनाता ही है, उनकी एकाग्रता को भी तोड़ता है। विशेषकर, रील बनाने का आधुनिक प्रचलन अवयस्कों को ऐसी आत्ममुग्धता की ओर धकेल रहा है, जिसमें बहुत बार मर्यादाएं भी तार-तार होती दिखाई पड़ती हैं।

गैजेट्स पर ज्यादा समय बिताने से बच्चों को बोलने में दिक्कत व समाज में दूसरे लोगों से तारतम्य स्थापित करने में परेशानी महसूस होने लगती है। मोबाइल टाइम का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव आंखों पर देखने में आया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, 20 वर्षों के दौरान छोटे बच्चों में मायोपिया की बीमारी तीन गुणा बढ़ गई। इस संदर्भ में अकेले राजधानी दिल्ली की ही बात करें तो 2001 में बच्चों में आंख से कम दिखने की समस्या 7 प्रतिशत थी जो कि 2011 में बढ़कर 13.5 प्रतिशत तक जा पहुंची। कोविड के पश्चात 2021 में किए गए सर्वेक्षण में 20 से 22 प्रतिशत बच्चे मायोपिया की समस्या से ग्रस्त पाए गए, जिसका सबसे बड़ा कारण बच्चों में बढ़ता स्क्रीन टाइम रहा। सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए अभिभावकों से अपेक्षित है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्वक समय देने के साथ ही उनकी हॉबीज को उभारने में भी सहायक बने। फैमिली टाइम के दौरान स्वयं भी मोबाइल से दूरी बनाए रखना निहायत जरूरी है। बच्चों को प्रतिदिन 20-30 मिनट साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करना एवं बैडमिंटन, क्रिकेट, टेनिस जैसी आउटडोर खेलें खेलने हेतु प्रोत्साहित करना बच्चों को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक रूप से पुष्ट बनाएगा। खेल विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना बाहर खेलने से आंखों की रोशनी में सुधार होता है। अमेरिका, ब्रिटेन तथा फ्रांस सरकारों का यह निर्णय निश्चय ही छात्रों के लिए हितकारी है। भारत में भी इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महंगे किराये से यात्रियों की बढ़ती मुश्किलें

सतीश सिंह

हवाई यात्रियों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले से महंगी हवाई टिकट खरीद रहे यात्रियों को अब और भी ज्यादा महंगी दर पर हवाई टिकटें खरीदनी पड़ेंगी, क्योंकि एयर इंडिया एक्सप्रेस के 200 वरीय क्रू मेंबर्स बीमारी के कारण एक साथ अवकाश पर चले गये हैं, जिसके कारण 80 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 70 से अधिक विमान है और यह हर सप्ताह 2500 से अधिक उड़ानों का परिचालन करती है। रिपोर्ट के अनुसार केबिन क्रू कथित कुप्रबंधन, स्टाफ से भेदभावपूर्ण व्यवहार का विरोध कर रहे हैं। पायलटों की कमी की वजह से टाटा समूह की विमानन कंपनी विस्तारा ने पिछले महीने 110 उड़ाने रद्द की थीं और उसकी 160 उड़ानें लेट हुई थीं। जाहिर है, जब विमान की कमी होगी तो हवाई टिकट की कीमतों में भी इजाफा होगा।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों के मुताबिक, यात्रियों की संख्या के हिसाब से भारत के विमानन क्षेत्र में इंडिगो एयरलाइन की 60.2 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जबकि दूसरे स्थान पर एयर इंडिया है, जिसकी हिस्सेदारी 12.2 प्रतिशत है। विस्तारा की हिस्सेदारी 9.9 प्रतिशत है और एयर एशिया की हिस्सेदारी 6.1 प्रतिशत है। टाटा समूह के तहत उड़ान भरने वाली एयरलाइंस की कुल हिस्सेदारी 28.2 प्रतिशत है। इधर, बाजार पूंजीकरण के आधार पर लंबी छलांग लगाते हुए इंडिगो जनवरी, 2024 में एयर चाइना एयरलाइन को और फरवरी, 2024 में सिंगापुर एयरलाइन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी एयरलाइन बन गई। विगत 6 महीनों में इंडिगो एयरलाइन के शेयर में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है, जबकि पिछले एक साल में इसके शेयर ने निवेशकों को 102.55 फीसदी प्रतिफल दिया है। इंडिगो का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एयरलाइन बनना इंडिगो और इसके शेयर होल्डर्स के लिए हर्ष का विषय है, लेकिन जरूरतमंद यात्रियों के लिए खुशी की बात नहीं, क्योंकि इंडिगो का एकाधिकार बढ़ने और दूसरी एयरलाइन का परिचालन लगातार अवरुद्ध रहने से हवाई टिकट बहुत महंगे हो गये हैं।

आज हवाई जहाज से यात्रा करने वाले यात्रियों में जरूरतमंदों की संख्या अधिक है। मौज-मस्ती के लिए यात्रा करने वालों के लिए एयर टिकट की कीमत मायने नहीं रखती, लेकिन किसी

बीमार के इलाज के लिए सफर करने, नौकरी में योगदान देने, जरूरी मीटिंग में शामिल होने के लिए यात्रा करने वालों के लिए लगातार एयर टिकट की कीमत बढ़ना मुश्किल का सबब बन गया है। यात्रा वेबसाइट इक्सिगो के एक विश्लेषण के अनुसार, 1 से 7 मार्च की अवधि की तुलना में 1 से 7 अप्रैल तक कुछ हवाई मार्गों पर किराया 39 प्रतिशत तक बढ़ा है। इस अवधि में दिल्ली से बेंगलुरु उड़ानों के लिए एक तरफ का किराया 39 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जबकि दिल्ली से श्रीनगर किराये में 30 फीसदी बढ़ोतरी हुई। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइन के पास 320 से ज्यादा विमानों का बेड़ा है, जो हर दिन 1900 से ज्यादा फेरे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय शहरों में लगाते हैं। हालांकि, इंडिगो के दिसंबर, 2023 में 74 विमानों के बेड़े जमीन पर खड़े थे। वहीं, गो फर्स्ट, स्पाइसजेट, एयर इंडिया और विस्तारा के 90 विमान जमीन पर खड़े थे। जानकारों के अनुसार आगामी कुछ महीनों में 200 से अधिक विमान खड़े हो जायेंगे। वर्ष 2024 में 150 नये विमानों को घरेलू उड़ान हेतु बेड़े में जोड़ा गया है, जो पिछले साल जोड़े गए नए विमानों से 34 प्रतिशत अधिक है। फिर भी, यह संख्या घरेलू मांगों को पूरा करने में असमर्थ है। घरेलू यात्रियों की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष 24 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। वर्ष 2023 में घरेलू यात्रियों की कुल संख्या बढ़कर 15.2 करोड़ से अधिक हो गई है। इस साल विमानन उद्योग मांग के अनुरूप क्षमता बढ़ाने में चुनौतियों से जूझ रहा है। यहां तक कि घरेलू मार्गों पर बड़े विमानों का उपयोग कर रहा है। बावजूद इसके, मांग और आपूर्ति में बड़ी खाई बनी है। इंडिगो को छोड़कर दूसरी एयरलाइंस की उड़ानें गाहे-बगाहे रद्द होने के कारण और यात्री मांग में मजबूती बने रहने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत बढ़ोतरी पहले ही हो चुकी है।

गर्मियों में घरेलू उड़ानों के लिए यात्रियों को एयर टिकट के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। पहाड़ों की ओर जाने वाली सभी एयरलाइंस के टिकटों की कीमत आसमान छू रही है। ग्रीष्म अवकाश के दौरान एयर टिकट की कीमत और भी बढ़ने का अंदेशा है। हालांकि, डेढ़-दो साल पहले भारत में एयर टिकट की कीमत दुनिया में काफी सस्ती थी। एयर टिकट की कीमत मांग और आपूर्ति के आधार पर तय होती है। वैसे, विमानन मंत्रालय के अधीन काम करने वाली संबंधित संसदीय स्थायी समिति ने छुट्टियों और त्योहारों के दौरान एयर टिकट की कीमत में वृद्धि पर रोक लगाने पर जोर दिया है। एयर टिकट की कीमत में कमी आने के आसार हाल-फिलहाल में कतई नहीं हैं।

सीमांत गांवों के विकास से टूटेंगे चीन के मंसूबे

ले. जनरल प्रदीप बाली (अ.प्रा.)

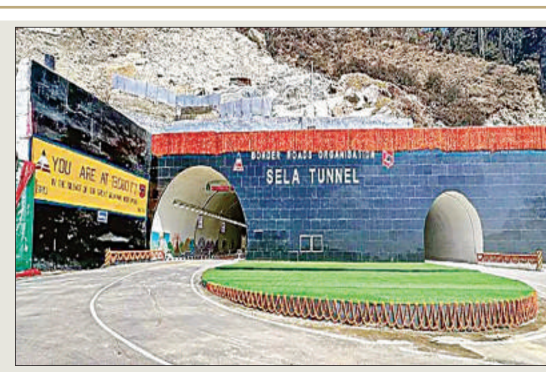

इतिहास को मनमाफिक गढ़ना और भौगोलिक हकीकतों से छेड़छाड़ चीन की प्रवृत्ति रही है। यह उसकी आधिपत्यवादी प्रवृत्ति और मंसूबों को सुहाता है। इसके लिए, उसे वास्तविकता से परे के तथ्यों को गढ़ने की जरूरत पड़ती है। चीन अक्सर भारतीय भूमि के कई हिस्सों पर अपना दावा ठोकता आया है, पिछले कई सालों से अक्सर अरुणाचल प्रदेश में बस्तियों और भूभाग का नाम बदलने में उसे खुशी महसूस होती है। चीनी नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 2017 में गढ़े नामों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें छह जगहों का जिक्र था। फिर 15 नये नामों वाली दूसरी सूची 2021 में आई, 2023 की सूची में 11 जगहों का नाम बदला हुआ था। भौगोलिक नाम बदलने के इस खेल में चौथी और नवीनतम सूची 1 अप्रैल, 2024 को जारी की गई है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश की 30 और जगहें शामिल की गई हैं। खुद अरुणाचल प्रदेश का नाम चीनियों ने 'जगनान' रखा हुआ है। उम्मीद के मुताबिक भारत ने कड़े प्रतिरोध के साथ इस नौटंकी को खारिज किया है।

इस कृत्य के समांतर वास्तविक नियंत्रण रेखा के उत्तर में सीमांत इलाकों को विकसित करने की आड़ में चीन शियाओकांग नामक रिहायशी बस्तियां समूची सीमा रेखा के ठीक बगल में स्थापित कर रहा है। पिछले सालों में लगभग 600 ऐसे गांव बसाए जा चुके हैं और 'विकास कार्यक्रम' के तहत और 175 बस्तियां बनाने की योजना है। बिना शक यह सारी प्रक्रिया चीन के इलाकाई दावों को पुष्ट करने और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का अतिरिक्त सहायता तंत्र बनाने के मकसद से है। यहां चीन 'कानूनी रणनीति' का कपटी खेल भी खेल रहा है। भारत के साथ 'सीमा रक्षा सहयोग संधि-2005' के मुताबिक जब कभी वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा की निशानदेही होगी तो पूर्व-स्थापित आबादियों को नहीं छेड़ा जाएगा। चीनी रणनीति का यह रंग-ढंग अन्य मुल्कों से सीमा विवादों में भी झलकता है। जापान प्रशासित सेन्काकु द्वीप को दियाओऊ नाम देकर, चीन उसे अपना हिस्सा बताने का दावा करता आया है।

सर्वविदित है कि चीन की तथाकथित 'नौ-बिंदु सीमारेखा' समस्त दक्षिणी चीन सागर में उसके इलाकाई दावों को मजबूत बनाने का एक पैंतरा है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, खासकर 'संयुक्त राष्ट्र सागरीय कानून अधिवेशन' के प्रावधानों का। दावेदारी की यह रेखा ब्रुनेई के विशेष निर्यात क्षेत्र, इंडोनेशिया, फिलीपींस, ताईवान और वियतनाम के इलाकों का अतिक्रमण करती है। चीन समुद्र में कंक्रीट डालकर छोटे द्वीपों और उभरी चट्टानों को बड़े टापुओं में तब्दील कर रहा है। इन मानव-निर्मित भौगोलिक द्वीपों का निर्माण करने के पीछे उद्देश्य है सैन्य लाभ सुदृढ़ करना और अपने पड़ोसियों को जताना कि भिड़ने पर भविष्य में क्या हो सकता है। भौगोलिक और ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने की छूट लेने की उसकी यह प्रवृत्ति भूटान में 2017 में स्पष्ट जाहिर हुई, जब चीन की पीएलए ने डोकलाम पठार को झम्पेरी रिज तक कब्जाने का यत्न किया। इसने भारत को क्रोधित किया क्योंकि यह अतिक्रमण हमारी रक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाता है। तभी भारतीय सेना को यह कब्जा आमने-सामने के टकराव से फिल करना पड़ा।

किसी इलाके का अतिक्रमण कर उसका 'बधियाकरण' करने का एक उदाहरण तिब्बत है, जिसे चीन ने 1951 में कब्जाया था और 1959 में पूर्ण नियंत्रण बना लिया। चीनी शासकों ने दिखावे को 'तिब्बत सार्वभौमिक क्षेत्र' की स्थापना की है, जिसे आमतौर पर 'राजनीतिक तिब्बत' कहा जाता है और इसका क्षेत्रफल शेष तिब्बत से कहीं छोटा है। ऐतिहासिक रूप से, जनजातीय तिब्बत में तीन मुख्य इलाके हैं- यूत्सांग, खाम और अम्दो। वर्ष 1955 में अम्दो का विलय किंगहाई प्रांत में कर दिया और 1957 में खाम कोगांज़े सार्वभौमिक प्रदेश के साथ मिला दिया गया। इसी प्रकार तिब्बत के बाकी जनजातीय इलाकों का विलय गनसू और युनान प्रांतों में कर डाला। वास्तव में, मूल तिब्बत राज्य में अब सिर्फ यू-त्सांग क्षेत्र ही 'राजनीतिक तिब्बत' है। वर्ष 1911 और 1951 के बीच, तिब्बत चीनी गणतंत्र के मंसूबों से कमोबेश मुक्त रहा। अम्दो में 14वें दलाईलामा का जन्म हुआ और उनके अंगरक्षक खाम इलाके से हैं, जिन्हें तिब्बतियों की लड़ाकू जाति के तौर पर जाना जाता है। चीन ने साथ लगते और बहुत ज्यादा जनसंख्या के बोझ तले दबे हान प्रांत से चीनी मूल के लोगों को तिब्बत के विभिन्न हिस्सों में बसाकर अंदरूनी जनसंख्या स्थानांतरण करवाया है।

अधिकांश सीमांत गांव समूची वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा के ठीक साथ सटाकर बनाए गए हैं, जिनमें लगभग सभी 'हान' हैं। इन चीनी प्रवासियों को वहां बसने-रहने की एवज़ में काफी आर्थिक लाभ दिए जाते हैं-और तिब्बत का जातीय स्वरूप बदलने में यह मुख्य अवयव है। नाम बदलने के नवीनतम खेल पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की प्रतिक्रिया बेहद सधी रही। 9 अप्रैल को पूरबी अरुणाचल प्रदेश में एक जनसभा में उन्होंने कहा 'मैं अपने पड़ोसी को बताना चाहता हूं कि नाम बदलने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कल को यदि हम चीन के राज्यों का नाम बदल दें तो क्या वह उन्हें हमें सौंप देगा?' चीन से हमारे सीमा संबंधी मुद्दे द्विपक्षीय चिंताओं वाले रहे हैं। तथापि, पिछले कुछ समय से, अमेरिका भारत की पीठ पर हाथ रख रहा है। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने हाल ही में बयान दिया 'भारत के इलाकों का नाम बदलना चीन का काम नहीं है और वे भारतीय भूभाग का हिस्सा हैं', यह स्वागतयोग्य कदम है।

पश्चिमोत्तानासन

इस आसन को करने के लिए जमीन पर बैठकर अपने पैरों को सामने की तरफ फैलाएं। अब सांस लेते हुए शरीर को आगे ले जाएं और अपने हाथों से पैर के अंगूठे को पकड़ने की कोशिश करें। अपने शरीर को आगे ले जाएं और सिर को घुटनों पर लगाने का प्रयास करें।

सेतु बंधासन

इस आसन ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेट कर अपने पैरों के घुटने को मोड़ते हुए पैर फर्श पर टच करवाएं। अब हाथों की मदद से शरीर को ऊपर की ओर उठाएं। अब पीठ और जांघों को फर्श से आसमान में उठाते हुए गहरी सांस लें और बाहर छोड़ें। इस अवस्था में कुछ देर रहने के बाद पहले वाली स्थिति में आ जाएं। इस आसन को रोज करने पर डिप्रेशन, चिंता, स्ट्रैस जैसी समस्याएं दूर रहती है। इसे करने से आप मन शांत रहता है और शरीर को एनर्जी भी मिलती है। इसके अलावा अगर आपको माइग्रेन की समस्या है तो वह भी इससे दूर हो जाएगी।

पदंगुष्ठासन

इस योगासन को करने के लिए अपने दोनों पैरों के बीच थोड़ी दूरी बना कर खड़े हो जाएं। अब धीरे-धीरे कमर के बल नीचे की ओर झुकें। दोनों पैरों के अंगूठे को अपने हाथ से पकड़े। घुटने को नीचे जाने भर तक मोड़ सकते हैं। इस पोज में कुछ देर खड़े रहें। ये आसन आपके मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करता है। इस आसन को करते समय आपकी कमर बिल्कूल सीधी होनी चाहिये ।आपंका सम्पूर्ण शरीर केवल पंजों के अंगूठे पर टिका हो।

सर दर्द से जल्द आराम पाने के लिए करें ये योगासन

आजकल काम का बोझ, नींद पूरी न होने या अन्य कई कारणों से लोगों को सिरदर्द की शिकायत हो जाती है। सिरदर्द या माइग्रेन की परेशानी से जो लोग पीड़ित होते हैं उनको ही पता होता है कि जब सिरदर्द होता है तो आपका मन मस्तिष्क कितना तकलीफ में होता है। कई लोगों को तो अक्सर ही सिरदर्द की शिकायत रहती है। ऐसे में वह हाई पावर की दवाएं खाने लगते हैं। दवा का असर होने तक तो वह ठीक रहते हैं पर जैसे ही दवा का असर कम होता है, सिर दर्द बढ़ जाता है। ऐसे में आपको दवाओं से ज्यादा अगर कुछ कारगर उपाय सिरदर्द में मदद करेगा, तो वह योगासन है। नियमित योगासन से सिरदर्द की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। सिरदर्द से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को योग बेहतर बनाने का काम करते हैं। इसलिए ये चार योगासन करने से आपके सिरदर्द में काफी राहत मिल सकती है।

बालासन

बालासन दिमाग को शांत रखने में मदद करता है। इस आसन को करने के लिए वज्रासन मुद्रा में बैठ जाएं। सांस को अंदर लें और दोनों हाथों को सीधा सिर के ऊपर ले जाएं। अब सांस बाहर की ओर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। हथेलियों और सिर को जमीन पर टिका लें। अब सांस अंदर बाहर करते हुए उंगलियों को आपस में जोड़ें और सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रखें। बालासन आपके पुरे शरीर का थकान दूर करके आराम और ताजगी प्रदान करता है। बालासन पीठ दर्द को दूर करता है और तनाव कम करता है।

हंसना मना है

पप्पू - आओ मिलकर हम दोनों दर्द बांटते हैं...! गप्पू - लेकिन कैसे... पप्पू - तुम दरवाजे में अपनी उंगली दो, मैं दबाता हूं, फिर हम दोनों मिलकर चिल्लाएंगे...!!!

लड़की वाले लड़का देखने गए... लड़की वाले - कितना कमा लेते हो.. लड़का - इस महीने दो करोड़ कमाया...लेकिन लड़की वाले - लेकिन क्या हुआ... लड़का - बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हैंग हो गया और सारी कमाई चली गई...!!!

पप्पू मंदिर गया... एक बाबा ने कहा-10 रुपये दे बच्चा... पप्पू ने 10 रुपये निकाल कर दे दिए...! बाबा ने कहा - मैं खुश हुआ, मांग क्या मांगता है.. पप्पू बोला-मुझे 100 रुपये दे दो...

बढ़ती महंगाई के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठे नेता को मुस्कुराता देख रिपोर्टर बोला-नेता जी, आप तो टेंशन फ्री हैं, लोग अनाप शनाप बोल रहे हैं... आपसे बेतुके सवाल कर रहे हैं... और आप सबको मुस्कुरा के उत्तर दे रहे हैं... क्या राज है... इसका... ये तो चमत्कार से कम नहीं है... नेता जी बोले-ऐ, बबूआ, जानना चाहते हो...आओ इधर... रिपोर्टर-जी हमें भी बताइए... नेता जी कान में फुसफुसाकर बोले-नेता बनने से पहले मैं लेडीज सूट की दुकान पर रहता था... वहां, दो चीजें महिलाओं ने सिखाई... देर तक भूखा रहना और मुस्कुराना...

कहानी | बुद्ध, आम और बच्चे

बात उस समय की है जब महात्मा गौतम बुद्धा एक आम के बगीचे में विश्राम कर रहे थे। तभी वहां खेलते हुए बच्चों की एक टोली आ गयी। सभी बच्चे आम का बगीचा देख कर, आम तोड़ने के लिए वहीं रुक गये। बच्चों ने आम तोड़ने के लिए आम के पेड़ पर पत्थर मारना शुरू किया। देखते ही देखते जमीन पर आमों का ढेर लग गया। इतने में एक बच्चे ने थोड़े ऊंचे आम को तोड़ने के लिए एक पत्थर ज्यादा तेज फेंका। वह पत्थर विश्राम कर रहे महात्मा जी को जा कर लगा और उनके माथे से खून आने लगा। सभी बच्चे यह देख कर बहुत डर गए। उन्हें लगा अब तो बुद्धा जी उनको बहुत डाटेंगे। तभी उनमे से एक बालक डरता हुआ महात्मा जी के पास गया और उनसे हाथ जोड़ते हुए बोला, हे महात्मा! हमसे बहुत बड़ी गलती हो गयी है। हमें क्षमा कर दीजिए। हमारी वजह से आपको यह पत्थर लग गया और आपके माथे से खून आ गया। इस बात को सुन कर, महात्मा बुद्धा ने बच्चों से कहा, मुझे इस बात का दुख नहीं है की मुझे पत्थर लगा। पर दुख इस बात का है की पेड़ को पत्थर मारने से पेड़ तुम्हे मीठे फल देता है। लेकिन मुझे पत्थर मारने से तुम्हे डर मिला। इस तरह अपनी बात पूरी कर के महात्मा जी आगे चल दिए। और बच्चे भी आम बटोर कर वापस अपने अपने घर चले गए।

कहानी से सीख: इस कहानी के माध्यम से महात्मा गौतम बुद्धा हमें बताना चाहते है कि, कोई अगर हमारे साथ बुरा व्यव्हार करता है, तब भी हमे उसके साथ अच्छा व्यव्हार ही करना चाहिए। जिस प्रकार पेड़ को पत्थर मारने पर भी वह बदले में मीठे फल ही देता है उसी प्रकार हमे भी सभी के साथ मधुर व्यव्हार रखना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क

घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें।

सिंह

नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक

मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

धनु

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मकर

हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कुम्भ

व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मीन

आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में रुतबा बढ़ेगा।

हीरामंडी की शूटिंग के समय डिप्रेशन में थीं मनीषा कोइराला

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार की रिलीज को 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन लगातार इस शो और इसके कलाकारों को लेकर चर्चा बनी हुई है। हर दिन इसकी स्टार कास्ट से जुड़ी कई जानकारियां सामने आने लगी हैं। इसमें इंडस्ट्री के कई बड़े कलाकारों को बेहतरीन अदाकारी के साथ देखा गया। ऐसे में सभी अपने-अपने हिस्से का अनुभव शेयर कर रहे हैं। इसी बीच अब मल्लिका जान का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मनीषा कोइराला भी अपने नाम में एक ऐसा खुलासा कर दिया है कि हर कोई हैरान रह जाएगा।

हाल ही में मनीषा कोइराला ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि हीरामंडी की शूटिंग के वक्त वह डिप्रेशन से जूझ रही थीं। यह बात तो सभी जानते हैं कि एक्ट्रेस कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को मात दे चुकी हैं, लेकिन इस बीमारी ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर गहरा असर डाला। अब एक्ट्रेस ने खुलाया किया है कि हीरामंडी के दौरान वह बुरी तरह से डिप्रेशन के जाल में फंसी हुई थीं। मनीषा ने बताया कि तब उनके दिमाग में बस यही चल रहा होता था कि किसी भी तरह से बस यह वक्त निकल जाए, फिर वह अपन सेहत पर ध्यान देंगी। मनीषा कोइराला ने हीरामंडी की मल्लिका जान बनने के लिए खुद पर कड़ी मेहनत की है। एक तरफ जहां वह डिप्रेशन का सामना कर रही थीं, वहीं उनके सामने एक बड़ी चुनौती यह थी कि उन्हें बिल्कुल उर्दू बोलनी नहीं आती थी। ऐसे में एक्ट्रेस ने खुद को इस भूमिका में बखूबी ढालने के लिए उर्दू भाषा भी बोलनी सीखी। पिछले ही दिनों मनीषा ने खुलासा किया था कि अच्छा शॉट देने के लिए वह 7 घंटे तक सेट पर बैठी रही थीं। गौरतलब है कि संजय लीला भंसाली की हीरामंडी में मनीषा कोइराला के साथ सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, अदिति राव हैदरी, ताहा शाह बदुशाह, शर्मिन सहगल, शेखर सुमन और अध्ययन सुमन और फरदीन खान जैसे सितारों को भी अहम किरदारों में देखा गया। सभी ने अपनी भूमिका को बहुत खूबसूरती से पर्दे पर उतारा। भंसाली की इस डेब्यू सीरीज को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया गया है।

बॉलीवुड | मन की बात

इंसानियत के लिए खतरा है डीपफकेक वीडियो : आशुतोष

बीते दिनों आशुतोष राणा का एक डीप फेक वीडियो सामने आया। इसमें वे कविता पढ़ते हुए एक राजनीतिक दल का समर्थन करते नजर आए। उस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए आशुतोष राणा ने कहा कि वे इस तरह की गतिविधियों में एआई के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने इसे समाज और इंसानियत के लिए बड़ा खतरा करार दिया। एक मीडिया बातचीत के दौरान आशुतोष राणा ने एआई के बढ़ते इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा यह कुछ नया नहीं है। यह माया युद्ध है और हम रामायण के समय से ही इससे लड़ते आ रहे हैं। यह सदियों से चला आ रहा है, लेकिन हम इसे अभी देख रहे हैं। किसी को भी इस बारे में सतर्क रहने की जरूरत है। आशुतोष राणा ने कहा कि इस परिस्थिति में कोई भी व्यक्ति अपनी मदद के लिए कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा, लेकिन जो लोग आपको जानते हैं, वे ऐसे फर्जी वीडियो पर आपसे कभी सवाल नहीं करेंगे। और जो लोग ऐसा करते हैं, वे आपके जवाब से कभी संतुष्ट नहीं होंगे। इस दौरान आशुतोष राणा ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में सिर्फ उनके गुरु, उनके बच्चे, उनके दिवंगत माता-पिता और उनकी पत्नी रेणुका शहाणे ही एकमात्र ऐसे लोग होंगे, जिन्हें वे जवाब देंगे। भले ही उनके साथ कैसी भी स्थिति हो। अभिनेता ने इस बात पर भी चिंता जताई कि आज एआई की मदद से किसी का भी चेहरा वीडियो में एडिट किया जा सकता है, इससे किसी के कैरेक्टर पर सवाल खड़ा हो सकता है। आशुतोष राणा ने कहा कि जनता की राय का उन पर फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने लोगों को सावधान रहने की जरूर सलाह दी। उन्होंने कहा कि छवि बनने में समय लगता है, लेकिन यह चंद पलों में बर्बाद हो सकती है, इसलिए सतर्क रहें। वर्कफ्रंट की बात करें तो आशुतोष राणा इन दिनों वेब सीरीज मर्डर इन माहिम को लेकर चर्चा में हैं। आशुतोष राणा ने कहा कि जनता की राय का उन पर फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने लोगों को सावधान रहने की जरूर सलाह दी। उन्होंने कहा कि छवि बनने में समय लगता है, लेकिन यह चंद पलों में बर्बाद हो सकती है, इसलिए सतर्क रहें। वर्कफ्रंट की बात करें तो आशुतोष राणा इन दिनों वेब सीरीज मर्डर इन माहिम को लेकर चर्चा में हैं।

दिल छू लेने वाली फिल्म है श्रीकांत : जेनेलिया

राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत थियेटर में रिलीज हो चुकी है। बीते दिन 10 मई को इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है। फिल्म को अब तक मिलीजुली प्रतिक्रिया दी जा रही है। फिल्म में राजकुमार राव दृष्टिहीन व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म एक वास्तविक दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला की बायोपिक है। अब फिल्म देखने के बाद अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने इसकी समीक्षा की है।

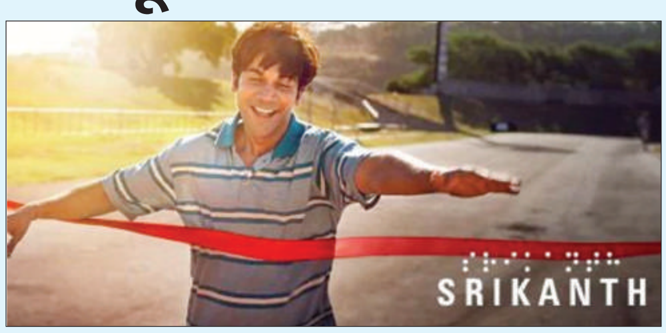

जेनेलिया ने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए फिल्म के बारे में अपनी राय जाहिर की। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की कुछ झलकियां साझा की हैं। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की समीक्षा भी की। उन्होंने लिखा, श्रीकांत एक दिल को छू लेने वाली फिल्म है। मुझे यह फिल्म काफी पसंद आई। यह आपको हंसाती है, रुलाती है और सबसे अच्छी बात आखिर में आपको अच्छा महसूस कराती है।

अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने फिल्म से जुड़ी पूरी टीम की तारीफ की। उन्होंने लिखा, शाबाश तुषार हीरानंदानी और निधि परमार हीरानंदानी। राजकुमार राव, आपने बेहद कमाल का काम किया है। आपको पर्दे पर किसी भी किरदार में देखना काफी मजेदार होता है। अलाया आप काफी ईमानदार नजर आईं, आपको पर्दे पर देखना काफी ताजगी भरा अनुभव रहा और शरद केलकर आप काफी ज्यादा अलग नजर आए फिल्म में आपका होना मुझे काफी पसंद आया।

क्या आप जानते हैं, हवाई जहाज में हमेशा दाएं तरफ से ही क्यों चढ़ते हैं लोग ?

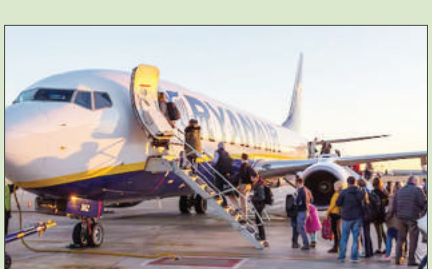

गर्मियों की छुट्टियों का मौसम में कई लोग लंबी दूरी की यात्रा में हवाई जहाज का सफर खूब करते हैं। कई लोगों के लिए यह पहला सफर होता है तो कुछ लोगों के लिए हवाई यात्रा अक्सर किया जाने वाला सफर होता है। विमान पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुए हैं, लेकिन हम उन पर कैसे चढ़ते हैं, यह कभी नहीं बदला है। लोगों का इस बात पर ध्यान नहीं जाता है। कि यात्री विमान में हमेशा बाई ओर से ही चढ़ते हैं। इसका एक दिलचस्प कारण द एविएशन हिस्टोरियन के प्रबंध संपादक माइकल ओकले ने बताया है। व्यवसायिक विमानों को शुरू में परंपरा के कारण बाईं ओर यात्री दरवाजे के साथ डिजाइन किया गया था, अब यह दक्षता का मामला बन गया है। माइकल ने अफार को समझाया, ज्यादातर विमानन शब्दावली की उत्पत्ति समुद्री अनुभवों और ज्ञान (पतवार, कॉकपिट, केबिन, बल्कहेड, नॉट्स, आदि) से हुई थी, और इसी तरह, वैमानिक तरीकों में चीजों को करने का आधार भी बहुत कुछ नौकायन ही है। जिस तरह बंदरगाह में जहाज का किनारा परंपरागत रूप से गोदी से सटा होता है, तो विमान भी वैसा ही होता है। यही कारण है कि वहां भी लोगों ने बंदरगाह की तरह ही बाईं तरफ से चढ़ना जारी रखने का फैसला किया। जहाज के दाहिनी ओर (स्टारबोर्ड) पर स्टीयरिंग ओअर रखे जाने के कारण नावों को इस तरह से डिजाइन किया गया था। इसलिए यात्रियों और कार्गो को विपरीत दिशा में लादना आदर्श बन गया।

इसके बाद यही तरीका विमान तक पहुंचाया गया, जब तक कि 1930 और 40 के दशक में यूनाइटेड एयरलाइंस ने अपने दरवाजे दाईं ओर नहीं रखे। समय के साथ यह बहुत अधिक कुशल हो गया कि सभी लोग एक ही तरफ से अलग-अलग विमानों में चढ़ें और एक ही टर्मिनल का उपयोग करें।

अजब-गजब | अब केवल टूरिस्ट ही आते हैं यहां!

50 साल से वीरान है यह द्वीप, हजारों की मौत का काला इतिहास है इसका

यदि आपने कभी सोचा है कि यदि हर एक व्यक्ति गायब हो जाए तो पृथ्वी कैसी दिखेगी, तो जापान के तट पर यह डरावना छोड़ा हुआ द्वीप इसकी एक अच्छी मिसाल है। नागासाकी तट से नौ मील दूर हाशिमा द्वीप स्थित है और 50 वर्षों से अधिक समय से पूरी तरह से निर्जन है। अब यह पूरी तरह से प्रकृति के हवाले है। वर्तमान में, इसकी जनसंख्या शून्य है, लेकिन यह हमेशा ऐसा नहीं था। इसने गुलामी और जबरन श्रम के अपने लंबे और अंधेरे इतिहास में कई दुर्भाग्यपूर्ण आत्माओं को गुजरते देखा है।

इस द्वीप का उपनाम गुंकनजिमा है, जिसका अर्थ युद्धपोत द्वीप होता है। अपनी उपस्थिति के कारण, यह द्वीप मूलरूप से 1800 के दशक में कोयला खनन स्थान के रूप में समृद्ध हुआ, जब कोयले के समृद्ध भंडार की खोज की गई थी। मित्सुबिशी ने 1890 में द्वीप और इसकी खदानें खरीदीं, और श्रमिकों और उनके परिवारों को वहां रहने दिया। निर्माण क्षेत्र के दिग्गजों ने द्वीप को आबाद कर रिहायशी सुविधाओं का निर्माण किया। द्वीप पर रहने वालों का वेतन मुख्य भूमि पर काम करने वालों की तुलना में काफी अधिक था और इसलिए कई लोगों के पास नवीनतम

तकनीक से सुसज्जित घर थे। फिर भी निवासियों के लिए स्थितियां कठिन थीं और खदानों से निकलने वाले धुएं के साथ मिश्रित भारी समुद्री हवा का मतलब गंभीर सांस की बीमारी थी।

आखिरकार कोयले के भंडार खत्म हो गए और वहां खनन संभव नहीं रह गया। जैसे-जैसे लोग दूर चले गए और द्वीप खाली हो गया, उल्लेखनीय कंक्रीट संरचनाएं ढह गईं और प्रकृति ने भूमि को फिर से हासिल करना शुरू कर दिया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, चीनी युद्धबंदियों को शोषित कोरियाई आप्रवासियों के साथ हाशिमा लाया गया था और खदानों के भीतर सबसे खतरनाक कार्यों को अंजाम देते हुए कठोर और अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया गया था। द्वीप से भागना कोई विकल्प नहीं था और हजारों लोग भूख से मर गए और थकावट से मर गए।

1874 से परित्यक्त पड़े हाशिमा ने अपने समृद्ध और भयावह अतीत से उत्सुक लोगों के लिए एक पर्यटक आकर्षण के रूप में एक नया जीवन प्राप्त किया है। 2009 से, आगंतुक पर्यटन समूहों में द्वीप पर जाने में सक्षम हो गए हैं। 2015 के बाद इसे यूनेस्को की सूची में सूचीबद्ध किया गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, चीनी युद्धबंदियों को शोषित कोरियाई आप्रवासियों के साथ हाशिमा लाया गया था, और खदानों के भीतर सबसे खतरनाक कार्यों को अंजाम देते हुए कठोर और अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया गया था। द्वीप से भागना कोई विकल्प नहीं था और हजारों लोग भूख से मर गए और थकावट से मर गए। 1874 से परित्यक्त पड़े हाशिमा ने अपने समृद्ध और भयावह अतीत से उत्सुक लोगों के लिए एक पर्यटक आकर्षण के रूप में एक नया जीवन प्राप्त किया है। 2009 से, आगंतुक पर्यटन समूहों में द्वीप पर जाने में सक्षम हो गए हैं। 2015 के बाद इसे यूनेस्को की सूची में सूचीबद्ध किया गया था।

मेरे जेल जाने से मजबूत हुई पार्टी : केजरीवाल

» विधायकों से बोले- हम न टूटेंगे और न झुकेंगे

» देश में चुनाव की बदल गई धारणा : भारद्वाज

» भाजपा को हराएंगे : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने आवास पर पार्टी विधायकों के साथ बैठक की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मेरे जेल जाने के बाद पार्टी और मजबूत हुई है। सभी विधायकों ने शानदार काम किया। दिल्ली के लोगों को बिजली, पानी, दवाई मिलने में कोई दिक्कत नहीं हुई बैठक के दौरान सांसद संजय सिंह सहित सभी विधायकों ने संकल्प लेते हुए कहा कि हम सब एक परिवार हैं। हम न टूटेंगे-न झुकेंगे। अब कई गुना ज्यादा ऊर्जा के साथ काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गिराने के लिए भाजपा ने तोड़ने की कोशिश की, लेकिन साजिश नाकाम हो गई। आप नहीं टूटे। इसके लिए पूरी पार्टी और देश को आप पर गर्व है। बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकार की निशुल्क सेवाओं और विकास कार्यों की जानकारी ली। बैठक में सुनीता केजरीवाल, आप के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक, सांसद संजय सिंह, मंत्री गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, आतिशि, कैलाश गहलोत, पार्टी के चारों प्रत्याशी समेत अन्य सभी विधायक मौजूद रहे। हालांकि इस बैठक में ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान दूर रहे। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगर परिवार का मुखिया न हो तो भाइयों में झगड़े शुरू हो जाते हैं, लेकिन हमारा परिवार टूटा नहीं। हमारी पार्टी में झगड़े नहीं हुए, बल्कि हम लोग और मजबूती व एकता से आगे बढ़े। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पूरे देश में चुनाव की धारणा बदल गई। आतिशी ने कहा कि मुख्यमंत्री के जेल जाने के बाद आप एक परिवार की तरह मिलकर-एकजुट होकर भाजपा से लड़ी है। अब केजरीवाल की रिहाई के बाद भाजपा को हराएंगे।

सीएम की 10 गारंटियां हास्यास्पद : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 10 गारंटी को हास्यास्पद बताया। उन्होंने कहा कि महज 21 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही आम आदमी पार्टी जिसका खाता तक नहीं खुलने वाला है, वह देश के नाम गारंटी जारी कर रही है। मुंगेरीलाल के हसीन सपने वाली कहावत केजरीवाल पर चरितार्थ होती है। केजरीवाल झूठे सपने दिखाने में माहिर हैं। झूठे वादों की राजनीति करते हैं। देश की जनता उनके किसी वादे से गुमराह नहीं होगी। अब वह कितनी भी गांरटी दें, चुनाव में उनकी पार्टी का खाता खुलना भी मुमकिन नहीं है। आप कह रही है कि शेर जेल से बाहर आया है, जबकि सच यह है कि जनता को लूटने वाला बाहर आया है।

सीएम के पास उपलब्धियां बताने के लिए कुछ भी नहीं : पुरी

अमर कॉलोनी में रविवार को आयोजित व्यापारी सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जमानत पर जेल से बाहर आए केजरीवाल के पास अपनी पार्टी के बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है। वे सिर्फ दूसरी पार्टियों की बात कर रहे हैं, क्योंकि उनके पास अपने व सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताने के लिए कुछ नहीं है, जबकि केंद्र की मोदी सरकार उपलब्धियों को आधार बनाकर चुनाव लड़ रही है और केजरीवाल भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए।

अपराधी की बातों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं : हिमंत

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आए हैं। इसलिए उनके पास बोलने के लिए बहुत है क्योंकि उन्हें जेल में बोलने का मौका नहीं मिला। उनकी बातों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। एक अपराधी की बातों में कितना ध्यान चाहिए यह उत्तर-पूर्वी राज्यों के लोग जानते है। यह बातें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहीं। प्रदेश भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने सैम पित्रोदा पर भी निशाना साधा। कहा कि उनको भारत में रहने वाले चीनी और दक्षिण अफ्रीकी दिखते हैं। कोई भी भारतीय नजर नहीं आया। देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों में नस्लवाद कम हुआ है। इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में प्रमुख स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए वोट देना तो बहुत छोटी बात है, क्योंकि अगर देश से प्यार है तो हमारे पास दूसरा विकल्प नहीं है। कांग्रेस के समय में एक प्रधानमंत्री से मिलने में महीनों का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन मोदी के पास संदेश देकर अगले दिन ही मिलने की सूचना आ जाती है। इस मौके पर मोर्चा अध्यक्ष सीएल मीणा, केंद्रीय मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन, भाजपा नेता सुनील देवधर, सांसद राजू बिष्ट समेत कई लोग मौजूद रहे।

अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो ईवीएम का इस्तेमाल होगा बंद : फारूक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अगर भाजपा केंद्र की सत्ता से बाहर हो जाती है, तो नई सरकार चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का इस्तेमाल बंद कर देगी। अब्दुल्ला ने कहा कि ईवीएम चोरी की मशीनें हैं और केंद्र की नई सरकार उन्हें नदी में फेंक देगी। उन्होंने कहा, जब आप वोट करें तो यह सुनिश्चित कर लें कि वोट करते समय आवाज और रोशनी हो। अगर आपको रोशनी न दिखे तो वहां के अधिकारियों से पूछें, डरें नहीं। यह देखने के लिए वीवीपीएटी भी जांचें कि क्या आपका वोट सही चुनाव चिह्न पर डला है या नहीं।

अब्दुल्ला ने मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में एक सार्वजनिक रैली के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी ईवीएम का उपयोग नहीं किया जा रहा है, लेकिन इसे केवल यहां हम पर थोपा गया है। डॉ. फारूक ने ईवीएम से मतदान बंद करने व मतपत्र पर लौटने का वादा किया। नेकां अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी पर देश में नफरत पैदा करने का आरोप लगाते हुए भाजपा पर अपना हमला जारी रखा। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी उन मुद्दों को भूल गए हैं, जिन्होंने उन्हें 2014 में शीर्ष पद तक पहुंचाया था।

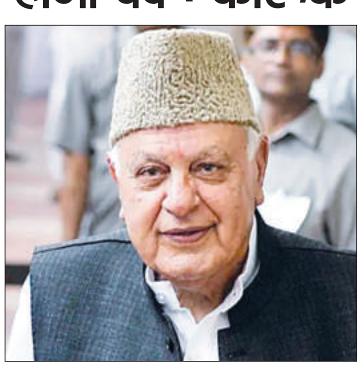

भाजपा की गारंटी एक्सपायरी डेट वाली: कमलनाथ

» बोले- महिलाओं को तीन हजार देने की गारंटी अभी तक अधूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अग्निवीर योजना को बंद करेगी कांग्रेस

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी इस बार लोकसभा चुनाव में मोदी की गारंटी की बात को लेकर जनता के बीच जा रही है। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि इस लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी एक्सपायरी डेट वाली गारंटी लेकर मैदान में है। उन्होंने कहा है कि भाजपा दुनिया की इकलौती ऐसी पार्टी है जो जिस बात की गारंटी देती है, उसी बात पर यूटर्न मार देती है। इसलिए अपनी अक्ल लगाएं, भाजपा के झांसे में न आएं।

कमलनाथ ने आगे लिखा कि भाजपा ने मध्य प्रदेश की महिलाओं को 3000 रुपया महीने देने की गारंटी दी थी, लेकिन आज तक पूरी नहीं की। भाजपा ने 450 रुपया में गैस सिलेंडर देने की गारंटी दी थी, लेकिन पूरी नहीं की। भाजपा ने 2700 रुपये क्विंटल गेहूं खरीदने की गारंटी दी थी, लेकिन पूरी नहीं की। भाजपा ने 3100 रुपया क्विंटल धान खरीदने की गारंटी दी थी, लेकिन आज तक पूरी नहीं की। भाजपा ने किसानों का 50000 रुपये तक का कर्ज माफ करने की गारंटी दी थी, लेकिन आज तक पूरी नहीं की। बाकी आप समझदार हैं। वहीं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर एवं मीडिया प्रभारी सैयद अदनान अशरफ ने कहा है कि कांग्रेस सरकार आने पर जातिगत जनगणना देश भर में कराया जाएगा। अग्निवीर योजना को बंद कर दिया जाएगा।

कांग्रेस अपने कर्मों से समाप्त हो रही : मोहन यादव

मध्य प्रदेश में चौथे चरण और अंतिम चरण के मतदान के एक दिन पहले भाजपा कार्यालय भोपाल में चुनाव प्रबंधन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने संबोधित किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अंग्रेजों की पोषक है और वह अपने कर्मों से ही समाप्त हो रही है। जो समझदार हैं भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं, क्योंकि कांग्रेस पार्टी डूब रही है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के गुरु सैम पित्रोदा विरासत टैक्स लगाने की बात करते हैं। मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। उनकी पार्टी के महाराष्ट्र के एक नेता कहते हैं कि राम मंदिर को अपवित्र कर दिया, हम राम मंदिर को गंगाजल से धोएंगे। हमारे देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन करने के बाद कांग्रेस के नेता राम मंदिर को गंगाजल से धोने की बात करके राष्ट्रपति के साथ देश के अनुसूचित जनजाति समाज का अपमान किया है। इस तरह की मानसिकता के लोग कांग्रेस को खुद ही समाप्त कर रहे हैं।

जीत से चेन्नई और आरसीबी की उम्मीदें जगीं

» दोनों टीमें पहुंच सकती हैं प्लेऑफ में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत दर्ज कर प्लेऑफ की दौड़ रोमांचक मोड़ पर पहुंचा दी। 62 मुकाबलों के बाद अब तक सिर्फ एक ही टीम (कोलकाता नाइट राइडर्स) प्लेऑफ का टिकट हासिल कर सकी है। ऐसे में बचे तीन स्थानों के लिए सात टीमों के बीच जंग जारी है। 12 मई को आरसीबी ने दिल्ली के खिलाफ जीत के साथ प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है।

फैंस जानना चाहते हैं कि क्या सीएसके और आरसीबी दोनों प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं? आरसीबी फिलहाल 12 अंकों के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। 18 मई को आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में आरसीबी का सामना सीएसके से होगा। अगर डुप्लेसिस की टीम चेन्नई को पहले बल्लेबाजी करते हुए हरा देती है तो उनका नेट रनरेट सीएसके से अच्छा हो जाएगा। इसके अलावा उनके खाते में 14 अंक हो जाएंगे। इसके अलावा बेंगलुरु को सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाएंट्स के मैचों पर भी निर्भर रहना होगा। अगर केएल राहुल की टीम दो मैचों में सिर्फ एक जीतती है और दिल्ली-गुजरात का नेट रनरेट कमजोर रहता है तो आरसीबी-चेन्नई के बीच शनिवार को तगड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है।

शीर्ष चार में पहुंचने के ये हैं समीकरण

आरसीबी अगर अपना अगला मैच सीएसके को मामूली अंतर से हरा दे तो उनके 14 अंक हो जाएंगे। इस स्थिति में सीएसके के नेट रनरेट पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। लखनऊ अपने अगले दोनों मैचों में सिर्फ एक ही जीते। 14 मई को लखनऊ का दिल्ली से सामना होगा जबकि 17 मई को मुंबई इंडियंस से होगा। दिल्ली अगर लखनऊ को हराती है तो उनके खाते में 14 अंक हो जाएंगे। हैदराबाद को अपने दोनों मैच हारने होंगे। इस स्थिति में वह 14 अंकों पर ही रुक जाएंगे और उनका नेट रनरेट भी रुक जाएगा। इस स्थिति में आरसीबी और सीएसके 14 अंक और बेहतर नेट रनरेट के साथ टॉप-4 में होंगी। वहीं, लखनऊ और हैदराबाद के खाते में 14-14 अंक तो होंगे, लेकिन उनका नेट रनरेट चेन्नई और बेंगलुरु की तुलना में कुछ खास नहीं होगा।

ई बिहार है बिहार मोदी को गली-गली चक्कर लगवा देगा : लालू

बोले- आखिर पीएम को सड़क पर ला ही दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पीएम मोदी के कार्यक्रम पर राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने बड़ा हमला बोला है। उन्होंने तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि तीन चरणों के चुनाव ने पीएम मोदी को बिहार ने सड़क पर ला ही दिया है। अब बाकी बचे चार चरणों में गली-गली में चक्कर लगवा देगा। ई बिहार है बिहार! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर बिहार आ रहे हैं। आज शाम पटना में रोड शो करेंगे।

आज हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और सारण में जनसभा कर रहे हैं।। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने कहा था कि पीएम मोदी ने 2014 में कहा था कि चीनी मिल खुलवाकर इसी मिल की बनी चीनी की चाय पीऊंगा। दस बरस हो गए। लालू ने पूछा कि क्या हुआ आपका वादा? उन्होंने कहा कि जो प्रधानमंत्री अपने वादेनुसार प्रदेश में एक छोटी सी चीनी मिल नहीं खुलवा सकता हो? जो प्रधानमंत्री विशेष राज्य के दर्जे से लेकर वर्षों में अपने बड़े-बड़े आसमानी वादों में से एक रत्ती भर भी वादा पूरा ना कर सका हो? जो प्रधानमंत्री भरे मंच से अपने ही सहयोगी दल के मुख्यमंत्री द्वारा हाथ जोड़ गिड़गिड़ाने पर भी सौ बरस पुरानी एवं ऐतिहासिक पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय यूनिवर्सिटी का दर्जा तक ना दे सके? ऐसे प्रधानमंत्री रोड क्या चाहे गली-गली घूम नुक्कड़ नाटक करें, इससे बिहार को क्या फायदा होगा?

लालू जी को बस परिवार से मतलब : नीतीश कुमार

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 15 साल पहले बिहार की स्थिति क्या थी। इसके बारे में सब कोई जानता है। लालू परिवार पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सबको अपने परिवार से मतलब है। अपने 7 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद हटे तो पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया। किसी को पार्टी से मतलब नहीं था। हम इतने दिन से काम कर रहे है हमको परिवार से कोई मतलब है, मेरा पूरा परिवार ही बिहार है। वहीं नीतीश कुमार ने कहा कि इतना पैदा किया जाता है, 9 गो बाल बच्चा पैदा किया। आप लोग जरा याद करिए कि पहले बीवी को बना ही दिया, बेटी को बनवा दिया, बेटा को बनवा दिया। अब एक और बेटी को बनाना चाहता है। यही सब काम करते रहेगा।

वह जेल में थे, इसलिए सब भूल गए : सम्राट

पीएम मोदी के रोड शो पर सियासत तेज हो गई है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पीएम मोदी और एनडीए पर हमला बोला। अब उनके बयान पर बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने पलटवार किया है। राजद सुप्रीमो के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि लालू यादव जेल में थे और इसलिए उन्हें याद नहीं है कि बंद पड़ी 14 चीनी मिलों को फिर से शुरू करने का काम चल रहा है। इथेनॉल फैक्ट्री के लिए मोदी सरकार में ही लग रही है।

'पांच साल बाद चुनाव में बिहार घूमने आते हैं पीएम'

तंज कसते हुए लालू प्रसाद ने आगे लिखा कि बिहारी बुड़बक नहीं है। बिहार के लोग अच्छे से जानते है कि बिहार से 40 में से 39 सांसद लेकर बिहार की जगह सब कुछ गुजरात में ही किया और सब निवेश गुजरात ही ले गए जबकि लंबे समय से बिहार में एनडीए सरकार है। फिर पांच साल बाद चुनाव में बिहार घूमने आते हैं।

हेमंत सोरेन को 'सुप्रीम' झटका

चुनाव के चलते रिहाई पर तुरंत सुनवाई से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने सोमवार (13 मई, 2024) को कहा कि हम सोरेन को सिर्फ लोकसभा चुनाव को देखते हुए जमानत नहीं दे सकते, क्योंकि आरोप गंभीर है।

सुनवाई करते हुए जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि आरोप गंभीर होने के कारण गिरफ्तारी के खिलाफ आपकी (हेमंत सोरेन) याचिका पर ईडी को सुने बिना आदेश नहीं देंगे, चुनाव है तो हम इसमें आपकी सहायता नहीं कर सकते। कोर्ट ने शुरू में अगले सप्ताह सुनवाई की बात बोली थी, लेकिन सोरेन के वकील कपिल सिब्बल के बार-बार जोर देने पर शुक्रवार (17 मई, 2024) को मामला सुनवाई के लिए लगा दिया। हालांकि जस्टिस खन्ना ने कहा कि 17 मई को कई अन्य मामले सुनवाई के लिए लगे हैं। ऐसे में हमें नहीं पता कि 17 को सुनवाई हो पाएगी या नहीं। सुनवाई हो भी गई तो उस दिन ही आदेश देना संभव नहीं होगा।

अरविंद केजरीवाल को सीएम पद से हटाने वाली याचिका खारिज

सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा- यह एलजी का अधिकार क्षेत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जेल जाने के बाद भी अरविंद केजरीवाल के दिल्ली का मुख्यमंत्री बने रहने के खिलाफ याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (13 मई, 2024) को मना कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हम ऐसा नहीं कर सकते। याचिकाकर्ता का कहना था कि सीएम केजरीवाल व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते पद नहीं छोड़ रहे हैं।

केजरीवाल के जेल में रहने से कई जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह देखना एलजी के अधिकार क्षेत्र में आता है। कोर्ट किसी को पद से हटाने का आदेश नहीं दे सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कि यह औचित्य का विषय है, लेकिन अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। कोर्ट ने ये याचिका ऐसे समय खारिज की है जब अरविंद केजरीवाल को हाल ही में लोकसभा चुनाव को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 1 जून तक अंतरिम जमानत दी है। वैसे कई बार खुद केजरीवाल और आप के अन्य नेता कह चुके हैं कि वो सीएम पद पर बने रहेंगे।

महालक्ष्मी योजना से महिलाओं की जिंदगी बदलने में मदद मिलेगी : सोनिया गांधी

बोलीं- मेहनत और तपस्या के साथ न्याय करने के लिए कांग्रेस का एक क्रांतिकारी कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के बीच सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी की ओर से महालक्ष्मी योजना के रूप में दी गई गारंटी से देश की महिलाओं की जिंदगी बदलने में मदद मिलेगी। उन्होंने एक संदेश में यह भी कहा कि महिलाओं की मेहनत और तपस्या के साथ न्याय करने के लिए कांग्रेस ने यह क्रांतिकारी कदम उठाया है।

सोनिया गांधी ने कहा, स्वतंत्रता की लड़ाई से लेकर आधुनिक भारत बनाने में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। हालांकि आज हमारी महिलाएं भयंकर महंगाई के बीच संकट का सामना कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की मेहनत और तपस्या के साथ न्याय करने के लिए कांग्रेस एक क्रांतिकारी कदम लेकर आई है। सोनिया ने इस बात का उल्लेख किया कि कांग्रेस की महालक्ष्मी योजना में गरीब परिवारों की एक महिला को हर साल एक लाख रुपये दिए जायेंगे। सोनिया गांधी ने कहा, कर्नाटक और तेलंगाना में पहले ही हमारी गारंटियों ने करोड़ों परिवारों की जिंदगी बदल दी है। चाहे मनरेगा हो, सूचना का अधिकार हो, शिक्षा का अधिकार हो या भोजन सुरक्षा.. हमारी योजनाओं से कांग्रेस पार्टी ने लाखों भारतीयों को ताकत दी है। उनका कहना है, 'महालक्ष्मी' योजना हमारे इस काम को आगे बढ़ाने की सबसे नई गारंटी है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा, इस कठिन समय में मैं आपको भरोसा दिलाना चाहती हूं कि कांग्रेस का हाथ आपके साथ है और यही हाथ आपके हालात बदलेगा।

आर्मी ट्रक का टायर फटा, पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। जिसमें दो आर्मी जवानों और तीन अन्य लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा जिले के पीलूखेड़ी में एनएच 46 पर ओसवाल फैक्ट्री के सामने हुआ। जानकारी के अनुसार आर्मी के ट्रक का टायर फटने से वह यात्री बस से टकरा गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल भी बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार यात्रियों से भरी बस भोपाल की ओर जा रही थी। इस दौरान एनएच 46 पर ओसवाल फैक्ट्री के सामने अचानक आर्मी के ट्रक का टायर फटा और वह बस से टकरा गया। हादसे में बस सवार तीन यात्री और 2 आर्मी जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस और 108 एंबुलेंस को दी। घायलों को बस से निकालकर अस्पताल भेजा गया। हादसे में ओसवाल फैक्ट्री में काम करने वाले एक कर्मचारी की भी मौत हो गई। वह बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है। वहीं, हादसे की सूचना पर आर्मी के कई अफसर और बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद है।

झारखंड के पलामू में विस्फोट, तीन नाबालिगों समेत चार लोगों की मौत

पलामू (झारखंड)। झारखंड के पलामू में एक विस्फोट में तीन नाबालिगों सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विस्फोट रांची से लगभग 190 किलोमीटर दूर मनातू पुलिस थाना क्षेत्र में एक कबाड़ कारोबारी के ठिकाने पर हुआ। पलामू की पुलिस अधीक्षक (एसपी) रेश्मा रामेसन ने कहा, विस्फोट राज्य में चार सीटों पर लोकसभा चुनावों में मतदान के एक दिन पूर्व हुआ है। हम हर पहलू से घटना की जांच कर रहे हैं। जांच में बम विस्फोट की संभावना सहित सभी संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक टीम को घटना की जांच के लिए बुलाया गया है। विस्फोट में मारे गए लोगों की पहचान स्क्रैप डीलर इस्तेयाक अंसारी (50) सहादत अंसारी (8), शहीद अंसारी (8) और वारिस अंसारी (10) के रूप में हुई है। वहीं, जिन लोगों को चोट आई है उनमें माजिद अंसारी (7), अफसाना खातून (14) और रुखसाना खातून (17) शामिल है।

संभल में ट्रक व ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर तीन की मौत, हादसे में 17 घायल

संभल। संभल जिले में एक ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। ट्रैक्टर-ट्रॉली से अपने घर लौट रहे थे तभी तेज रफ्तार एक ट्रक ने उनके वाहन को सामने से टक्कर मार दी, जिससे घासी राम, महिपाल, गुमानी की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के प्रवक्ता संजीव कुमार ने बताया कि घटना रविवार देर रात रजपुरा थाना क्षेत्र के संभल-हसनपुर मार्ग पर दीपपुर टांडा के पास की है। उन्होंने बताया कि कैला देवी थाना क्षेत्र के गांव लखनपुर के लोग अंत्येष्टि में शामिल होने के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली से अपने घर लौट रहे थे तभी तेज रफ्तार एक ट्रक ने उनके वाहन को सामने से टक्कर मार दी, जिससे घासी राम (60), महिपाल (55), गुमानी (40) की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।